

बँधान स्त्री. (तद्.) 1. बँधे हुए होने की स्थिति या भाव 2. विशिष्ट कार्य करने हेतु नियत पारंपरिक परिपाटी 3. संगीत के नियत नियम 4. परिपाटी से नियत दिए जाने वाला धन पुं. बँधा।

बँधाना स.क्रि. (तद्.) 1. बँधवाना 2. कोई वस्तु या भाव से जोड़ना जैसे- किसी को धीरज बँधाना, हिम्मत बँधाना, उत्साह बढ़ाना आदि के अर्थ में।

बँधुआ वि. (तद्.) 1. बँधा हुआ, किसी कार्य, भाव या नियम से बंधा हुआ 2. किसी शर्त से नियंत्रित 3. बँधा रहने वाला (पशु आदि)।

बँधुआ मजदूर पुं. (तद्.) 1. वह मजदूर जो अपने मालिक का दास हो और उसी की इच्छा, आज्ञा के अनुसार कार्य करने के लिए बाध्य हो 2. बँधा हुआ या अनुबंधित व्यक्ति 3. अर्थ. किसी नियम, शर्त से प्रतिबद्ध या मजबूर व्यक्ति। bonded labour, contract labour

बँबाना अ.क्रि. (तद्.) गाय, भैंस आदि पशुओं का रंभाना, जिसमें बाँ बाँ शब्द की ध्वनि होती है।

बँभनाई स्त्री. (तद्.) 1. ब्राह्मणत्व, ब्राह्मण जाति का भाव 2. ब्राह्मण, ब्राह्मणगीरी 3. यगमानी-धोती 4. हठ 5. दुराग्रह।

बँहंगी स्त्री. (तद्.) 1. सामान ढोने के लिए बाँस के दोनों छोरों पर रस्सी आदि के बने हुए लटके छीकों से युक्त एक उपकरण 2. भारवाहिनी।

बँहोलनी स्त्री. (तद्.) बाँह, बाहु, आस्तीन।

बक पुं. (तद्.) 1. पक्षी, बगुला, एकाग्रता और ढोंगपन के लिए प्रसिद्ध बगुला पक्षी या इन दुर्गुणों का प्रतीक टि. बगुला पक्षी मछली पकड़ने में अपनी एकाग्रता के लिए प्रसिद्ध है, बगुले को मूर्खता का प्रतीक भी माना गया है जैसे- "न शोभते सभामध्ये हंसमध्ये बकोयथा" में हंस को विद्वान और बक को मूर्ख माना गया है 2. निरर्थक बहस के लिए प्रयुक्त होने वाला 'बक-बक' 3. बकासुर नामक राक्षस 4. एक प्राचीन ऋषि 5. कुबेर।

बकतर पुं. (फा.) बख्तर 1. अंगरक्षक कवच, योद्धाओं के लिए युद्ध के समय सुरक्षा का आवरण, त्वचा 2. तांत्रिक अनुष्ठान का एक भाग जिसमें मंत्र द्वारा शरीर के प्रत्येक अंग की रक्षा हेतु स्तुति की जाती है।

बकध्यान पुं. (तत्.) 1. बगुले के समान बनावटी सज्जनता वाला ध्यान 2. पाखंड और ढोंग वाली मुद्रा 3. ध्यानमग्न होने की स्थिति ला. सज्जनता का छल, बगुले जैसी कपट पूर्ण सज्जनता।

बकध्यानी वि. (तत्.) बगुले जैसा ढोंगपूर्ण ध्यान करने वाला, कपटी व्यक्ति टि. 'बगुला-भगत' शब्द का प्रयोग ऐसे ही व्यक्ति के लिए किया जाता है।

बकना अ.क्रि. (तद्.) निरर्थक बात कहना, बकवास करना, बहस करना, शिकायत करना, बुरा-भला कहना, अशिष्टतापूर्ण बातें करना।

बकनी पुं. (तद्.) व्यर्थ की बकवास, बेमतलब की बात।

बकबक स्त्री. (तद्.) व्यर्थ की बात, निरर्थक, प्रलाप, बकवास।

बकमौन पुं. (तत्.) 1. बगुले की तरह सज्जन बनकर मौन रहने की क्रिया या भाव 2. मौन रहकर अपने कार्य को साधना।

बकर ईद स्त्री. (अर.) इस्लाम में मुसलमानों का एक त्योहार।

बकरना अ.क्रि. (तद्.) अधिक बोलना, बड़बड़ाना, स्वयं को अपराधी स्वीकार कर लेना।

बकरम पुं. (अर.) एक कड़ा कपड़ा (गोंद लगाया हुआ) जो कपड़ों में अस्तर देने के काम आता है।

बकरा पुं. (तद्.) बकरी, एक प्रकार का पशु जिसके चार पैर, गठीले तिकोने सींग और छोटी पूँछ होती है, इसे अज या छाग भी कहते हैं।

बकलमुखुद क्रि.वि. (फा.+अर.) स्वयं की लेखनी से/अपने हस्ताक्षर से।

बकलस पुं. (अर.) किसी बंधन के दोनों छोरों को जोड़ने वाला पीतल का छल्ला, बेल्ट या पेटी में लगाया जाने वाला छल्ला, बकसुआ।